EditorsBreaking

ताज़ा समाचार और नवीनतम अपडेट

ग्वालियर

बैजाताल: न सुंदरता, न हरियाली, पसरी बद्इंतजामी

प्रकाशित तिथि: 30 Oct 2026



- स्मार्ट सिटी लगवा रही टाइल्स, फुटपाथ पर गड्ढे

(संजय तोमर)

ग्वालियर। शहर के बीचों बीच बसा बैजाताल बदइंतजामी का शकिार है। भले ही यहां आकर्षक बजिली की सजावट हो रही हो मगर जहां पर्यटक भ्रमण करते हैं वहां अंधकार पसरा रहता है। पूरे क्षेत्र से हरयिाली गायब है। ताल की सीढ़यिों पर शाम से देर रात तक घंटों प्रेमी युगल बैठे रहते हैं उन्हें कोई टोकने वाला तक नहीं है। वहीं तालाब का वषिाक्त पानी भी काला पड़ गया है। रात में कुछ इलाके तो रोशन होते हैं वहीं कुछेक में घटाटोप अंधेरा छाया रहता है।

मोतीमहल के नजदीक बसे इस बैजाताल का स्ट्रक्चर बेहद खूबसूरत हुआ करता था। कुछ वर्ष पहले इसकी मजबूत व सुंदर बनावट व बीच में बने पक्के तालाब ने इसे पर्यटक स्थल जैसा लुक दे दिया था। धीरे-धीरे इसे विकसित किया जाने लगा। 80 के दशक में इसके बीच बनाए गए विशाल मंच पर सांस्कृतिक आयोजन शुरू हुए। तालाब के बीच बनाए गए तैरते मंच पर जब रंगीन रोशनियों के बीच कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी तो यह तेजी से आमजन के बीच चर्चा में आया। एक के बाद एक आयोजन हुए। इसके बाद तानसेन समारोह की कुछेक प्रस्तुतियां भी आयोजित हुई। इसके बाद स्मार्ट सिटी से इस स्थल का विकास तेजी से शुरू हो गया।

लाइटिंग की कमी

जिस तरह से स्मार्ट सिटी ने थीम रोड व गांधी रोड को रोशन किया उसे हरियाली से आच्छादित किया वैसा बैजाताल में दिखाई नहीं दे रहा है। बैजाताल को भी इसी तरह से सुव्यवस्थित व रोशन किया जा सकता था मगर यहां बने गुंबदों पर तो रोशनी बिखर रही है मगर ताल के पास बनी सीढ़ियों पर रोशनी की कमी है। यहां सीढ़ियों से तालाब को करीब से देखने वाले अंधकार होने पर गिर जाते हैं। ताल की सीढ़ियों पर ही मद्धिम रोशनी नहीं, इसके नजदीक बने फुटपाथ पर भी अंधकार है। फुटपाथ पर इनदिनों टाइल्स लगाई जा रही है। इस वजह से कई जगह गड्ढे रात के अंधेरे में दिखाई नहीं देते। बस स्मार्ट सिटी के कार्यालय पर रोशनी रहती है।

बोटिंग के शौकीन कम हुए

बैजाताल बेहद छोटा है और यहां बोट भी रखी हुई हैं मगर बोटिंग के शौकीन धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। तालाब में बारिश का गंदा पानी भरने के बाद अब तक साफ नहीं किया है। टिकिट लेकर मनोरंजन करने के लिए पर्यटक तो आते हैं मगर वे भी छोटे से तालाब में दूषित पानी देखकर दोबारा नहीं आते हैं।यहां शिविपुरी से आए एक पर्यटक ने कहा कि तालाब से दूषित पानी को साफ किया जाना चाहिए।

गायब हो चुकी है हरयिाली

पर्यटकों को ऐसे स्थल पर सबसे पहले हरयिाली ज्यादा आकर्षति करती है मगर तालाब के बीच बने मंच पर बीचोंबीच भी हरा-भरा पार्क सूख चुका है। तालाब के इर्द-गर्दि सुंदर तरीके से बैठने के लएि कुर्सयिां लगाई गई है मगर इनके करीब से भी हरयिाली गायब है। पर्यटकों के लएि पूरे क्षेत्र में टायलेट व पेयजल के इंतजाम भी आसानी से दखिाई नहीं दे रहे हैं।

यातायात इंतजाम खराब

बैजाताल के करीब से गुजर रहे मोतीमहल से गुरुद्वारा की ओर जाने वाले वाहनों की लंबी लाइन सुबह से शुरू हो जाती है। यह वाहन बनिा रुके लगातार वशिाल संकरे गेट से होकर नकिलते हैं। कई बार यह वाहन जाम लगने से क्षेत्र में अव्यवस्था पैदा कर देते हैं।

टैग: #gwalior news #baijatal
